कैपेसिटी बढ़ गई है। लेकिन भीड़ अभी भी है, इसलिए जैसा कहा गया है कि एक और गाड़ी इन्ट्रोडयूस करने की जरूरत है, इस की तरफ हम जरूर ध्यान देंगे।

**श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : अगर आप डलब-डेकर डिब्बे लगा दें तो यह समस्या काफी हल हो सकती है।

**प्रो० मधु दंडवते** : डबल-डेकर डिब्ब लम्बे सफर में नहीं लगाए जायेंगे।

**श्री मुहम्मद शफ़ी कुरेशी** : एक गाड़ी दिल्ली से जयपुर जाती है, क्या आप उस को अजमेर तक ले जाने की कृपा करेंगे, क्योंकि वहां दिन में कोई गाड़ी अजमेर के लिए नहीं है?

**प्रो० मधु दंडवते** : कई सदस्यों ने यह सुझाव दिया है—इस के बारे में भी हम विचार कर रहे हैं, लेकिन अन्तिम आश्वासन मैं अभी आप को नहीं दे सकता हूं।

**श्री मुहम्मद शफी कुरेशी** : विचार करने के बाद इस को बढ़ा दीजिए।

**प्रो० मधु दंडवते** : वैसे आप का यह सवाल मूल प्रश्न में नहीं आता है, फिर भी चूंकि यह विस्तार का प्रश्न है, इसलिए इस के बारे में विचार हो रहा है।

**श्री एन० के० शेजवलकर** : मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान एक बार फिर इसी प्रश्न की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। यह प्रश्न केवल दिल्ली से बम्बई जा वाले यात्रियों के लिए नहीं है, बल्कि जो यात्री आगरा, ग्वालियर से चलते हैं, उन को दृष्टि में रखते हुए उठाया गया है। पिछले तीन चुनावों में जो भी सदस्य इन क्षेत्रों से चुन कर यहां आते रहे, उन सब ने हर रेलवे मंत्री को इस सम्बन्ध में पत्र लिखा, हर कन्सलटेटिव कमेटी में इस प्रश्न को उठाया कि पिछले पचास सालों से केवल दो ही ट्रेन्ज यहां पर चल रही हैं। लेकिन हर बार यही कहा जाता रहा कि लाइन-कैपेसिटी नहीं है, इन्जिज की शार्टेज है, प्लेट-फार्म्ज नहीं हैं। अब तक हम सब लोग विरोध पक्ष में हुआ करते थे और यही उत्तर सुना करते थे, लेकिन आज भी हम को यही उत्तर दिया गाया है—यह बड़े खेद की बात है।

आप लाइन-कैपेसिटी की बात करते हैं, लेकिन इस बीच में पचासों ट्रेन्ज बढ़ी हैं — दक्षिण की तरफ, यह बड़ी प्रसन्नता की बात हैं, लेकिन दिल्ली से बम्बई जाने के लिए सैन्ट्रल रेलवे पर कोई गाड़ी नहीं बढ़ी हैं, केवल वही दो गाड़ियां—पठानकोट एक्सप्रेस और पंजाब मेल—चलती है जो बहुत साल पहले से चलती आ रही हैं। मैंने इस सम्बन्ध में आप को पत्र भी लिखा था और आप ने वही जवाब दिया हैं कि विचार करेंगे। मैं फिर से आप से निवेदन करना चाहता हूं कि इस पर विचार कर के इस मांग को पूरा करें।

**प्रो० मधु दंडवते** : मान्यवर, विरोधी दल का सदस्य होते समय मैंने जो कुछ मांगें की हैं, उन को मैं नहीं भूला हूं। इस लिये मैं यकीन दिलाना चाहता हूं कि जो सवाल आप ने उठाया है उस पर विचार चल रहा है और आगे चल कर हम कुछ ठोस कदम जरूर उठायगे।

**Agreement with USSR for Supply of Crude Oil**

*432. CHOWDHRY BALBIR SINGH: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether an agreement has recently been signed with USSR for supply of crude oil;

(b) whether the price to be paid for crude is higher as compared to the price charged by other countries; and

(c) If so, the reasons therefore?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILISERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) to (c). Under the bilateral trade arrangement between India and U.S.S.R. a contract was signed between the Indian Oil Corporation and 'SOJUZNEETEEX-PORT of Soviet Union on 21-2-1977 for supply of 1 million tonnes of crude oil during 1977. It would not be in the commercial interest of the Indian Oil Corporation to disclose further details.

**चौधरी बलबीर सिंह** : उपाध्यक्ष महोदय, यह एक मीलियन टन तेल रूस वालों से लिया गया और यह ज्यादा भाव पर लिया गया। इसके बारे में मंत्री महोदय ने जवाब दिया है कि यह तेल किस भाव पर लिया गया, यह बताना पब्लिक इन्ट्रेस्ट में नहीं है। जब दूसरे मुल्कों से हमें सस्ती दर पर मिलता था तो पिछली सरकार ने, इलेक्शन के दौरान क्या अण्डर हेण्ड सौदा किया? यह कोई हैवी वाटर या इसी किस्म की और चीज तो थी नहीं जिसके बारे में न बताया जा सके। यह क्रूड आयल लिया गया, इसके बारे में तो हमें पता लगना चाहिए। क्या मंत्री जी का यह जवाब देना ठीक है?

**श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा** : मान्यवर यह सही नहीं है कि हमने ज्यादा भाव पर यह क्रूड खरीदा है। पिछली सरकार की यदि कोई बात गलत न हो तो उसको गलत कहना जरा मुश्किल पड़ता है। इस क्रूड के बारे में हमें रुपये में पेमेंट नहीं करना है, इसके बदले में वे हमारे यहां से सामान ले जायेंगे। मान्यवर, मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि यह भाव महंगा नहीं है। मैं आपके चेम्बर में इसके भाव दिखा सकता हूं। अगर मेरा जवाब गलत निकले तो मुझे सजा दी जा सकती है।

**चौधरी बलबीर सिंह** : मेरा सवाल सीधा-सादा है। दूसरे मुल्कों के भाव क्या इससे कम थे या ज्यादा?

**श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा** : कोई भाव इससे कम नहीं था। जो तेल देने वाली कन्ट्रीज हैं, ओपेक की कन्ट्रीज हैं, जो कम भाव पर तेल देती हैं वे कभी नहीं बताती कि हमने किस भाव पर तेल दिया है। जब मैं इसका भाव नहीं बता रहा हूं तो आप समझ सकते हैं कि इसके मायने क्या हैं।

**Construction of New Railway Line from Bankura to Mejia**

*433. DR. BIJOY MONDAL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the progress made in the direction of construction of the new Railway line between Bankura and Mejia in West Bengal which was decided to be taken in hand by the Ministry in view of the fine coal-belt discovered in the area;

(b) whether the work of the survey has been completed, and if so, when the actual work of having the rail lines is to be taken up; and

(c) whether any estimates have been made and if so, what are they and in what stages the work is likely to be completed?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) to (c). A Final Location Traffic-cum-Engineering Survey for construction of a rail link between Bankura and Mejia is nearing completion. The estimate will be processed after completion of the survey. A decision regarding construction of the line will be taken after the survey is completed and the reports examined.

DR. BIJOY MONDAL: In case the coal mines start working, as programmed, and if the construction of the railway line is not completed in time, earlier than the exploration of the coal fields, do as the Minister propose to have consultations with the Ministry